भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1415

जिसका उत्तर दिनांक 04.07.2019 को दिया जाना है

केपीएम यूरेनियम परियोजना, मेघालय

1415. डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अयस्क पिंड की खोज के बाद से केपीएम यूरेनियम परियोजना, मेघालय में क्या-क्या कार्य प्रारंभ किए गए हैं;

(ख) गत पाँच वर्षों के दौरान उक्त उल्लिखित परियोजना के अंतर्गत कितनी नई नौकरियाँ, यदि कोई हों, सृजित की गई हैं; और

(ग) परियोजना के अंतर्गत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य वंचित समुदायों के कितने लोगों को नियोजित किया गया है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग की संघटक इकाई परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा 1992 में पश्चिम खासी जिला, मेघालय में स्थित केलेंग पिन्डेन्गसोहियांग माउथाबा (केपीएम) यूरेनियम परियोजना की खोज की गई और अयस्क निक्षेप स्थापित किए गए । परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) है द्वारा खनन, संसाधन और अन्य संबद्ध सुविधाएं स्थापित करने के लिए मार्च 2001 में एक संभाव्यता रिपोर्ट तैयार की गई । अध्ययन के परिणामों से प्रोत्साहित होकर यूसीआईएल ने अक्तूबर 2002 में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए शामिल किया । तदनुसार, यूसीआईएल ने केलेंग पिन्डेन्गसोहियांग में एक ओपन-पिट खान और स्थल पर एक संसाधन संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है ।

परियोजना का कई चरणों पर अध्ययन किया गया है और रिपोर्टें तैयार की गई हैं जिसमें विस्तृत परियोजना रिपोर्टें, पर्यावरणीय बेसलाइन अध्ययन, ईआईए/ईएमपी रिपोर्टें इत्यादि शामिल हैं । जून 2007 में जन सुनवाई सफलतापूर्वक आयोजित की गई । पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) ने दिसंबर 2007 में पर्यावरणीय क्लिअरेंस प्रदान किया । खनन पट्टा, स्थापना हेतु सहमति और पट्टे पर भूमि अंतरण संबंधी अन्य आवेदन किए गए जो मेघालय राज्य सरकार से अनुमोदन के लिए लंबित है । वार्षिक पट्टा किराया आधार पर भूमि अधिग्रहण के लिए मार्च 2007 में यूसीआईएल और परियोजना स्थल के भू-स्वामियों के बीच एक करार पर हस्ताक्षर किए गए जो अनुमोदन के लिए लंबित है । यूसीआईएल ने वाहकाज़ी से माउथाबा तक पहुँचने के लिए कई ब्रिजों और पुलियाओं इत्यादि सहित 20 किलोमीटर सड़क मार्ग का निर्माण किया है ।

(ख) पिछले पाँच वर्षों के दौरान उपरोक्त परियोजना के लिए यूसीआईएल द्वारा पाँच खनन इंजीनियरों की भर्ती की गई ।

(ग) यूसीआईएल द्वारा भर्ती किए गए उपरोक्त सभी पाँच इंजीनियर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित हैं ।

*****